एक ही जवाब होता था

गांगुली ने कहा, पहला जवाब होता था, मुझे लगता है कि मैं अच्छी फॉर्म में हूं और मुझे नॉन–स्ट्राइकर पर ही रहना चाहिए। वहीं अगर फॉर्म अच्छा न हो तो उनका दूसरा जवाब होता था, मुझे नॉन–स्ट्राइकर पर ही रहना चाहिए, इससे मुझ पर प्रेशर कम होता है। अच्छे या बुरे फॉर्म के लिए उनके पास एक ही जवाब होता था।

सचिन क्यों नहीं करते थे पहली गेंद का सामना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सचिन तेंडुलकर और सौरभ गांगुली की सलामी जोड़ी ने भारत के लिए कई यादगार साझेदारियां की हैं। 1996–2007 के बीच इस जोड़ी ने 136 पारियों में 6609 रन जोड़े। रनों के मामले में यह दुनिया की नंबर वन ओपनिंग पार्टनरशिप है। गांगुली–वीरेंदर सहवाग सचिन–सहवाग की जोड़ी ने भी धमाके दिखाए लेकिन सचिन–गांगुली आंकड़ों में नबर वन बनी रही। इस जोड़ी को लेकर एक बात लेकिन हमेशा कही जाती थी कि सचिन कभी भी पारी की पहली गेंद का सामना नहीं करते थे। वह हमेशा गांगुली को ही पहली गेंद खेलने को कहते थे। मयंक अग्रवाल के साथ बातचीत में पूर्व कप्तान गांगुली ने बताया है कि यह बात सच थी अथवा नहीं। गांगुली से ओपन नेट्स विद मयंक में पूछा, जब आप वनडे में पारी की शुरुआत करते थे तो क्या सचिन पाजी आपको हमेशा पहली गेंद खेलने के लिए कहते थे? इसके जवाब में गांगुली ने कहा, हमेशा। उन्होंने हमेशा ऐसा किया। उसके (सचिन) पास इसका जवाब भी होता था। मैं उन्हें कहता था कि कभी–कभार तुम भी पहली गेंद खेला करो। हमेशा मुझे ही पहली गेंद खेलने को कहते हो। उनके पास इसके दो जवाब होते थे।

टी20 वर्ल्ड कप नहीं हुआ और आईपीएल हुआ तो सवाल उठेंगे

क्रिकेट

■जब आईपीएल हो सकता है तो वर्ल्ड कप क्यों नहीं

भारतीय बोर्ड मजबूत है और बीसीसीआई में उसका कंट्रोल हैः इंजमाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम–उल–हक ने कहा है कि अगर कोविड–19 महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप को रद्द किया जाता है और उसकी जगह इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाता है तो सवाल उठेंगे। पूरी संभावना है कि कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए टी20 विश्व कप को रद्द कर दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होने वाले टी20 विश्व कप के भविष्य को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं किया है। इंजमाम ने अपने यूट्यूब चौनल पर रविवार को कहा, 'इस तरह की अटकलें है कि विश्व कप की तारीखें इंडियन प्रीमियर लीग और भारत–ऑस्ट्रेलिया सीरीज के साथ टकरा रही हैं इसलिए इसका आयोजन नहीं होगा।'

मजबूत संदेश देना चाहिए

'आईसीसी, एशियाई क्रिकेट परिषद और सभी क्रिकेट बोर्ड को एक साथ बैठकर मजबूत संदेश देना चाहिए कि ऐसी कोई छवि (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर निजी लीग को प्राथमिकता देना) पेश नहीं की जाएगी।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय बोर्ड मजबूत है और बीसीसीआई में उसका कंट्रोल है। अगर ऑस्ट्रेलिया कहता है कि कोविड–19 महामारी के कारण हम विश्व कप का आयोजन नहीं कर सकते तो उनके रुख को आसानी से स्वीकार कर लिया जाएगा लेकिन अगर उसी समय इस तरह की कोई प्रतियोगिता होती है तो सवाल उठेंगे।'

पाकिस्तान के लिए 120 टेस्ट में 8830 रन और 378 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11739 रन बनाने वाले 50 साल के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, 'लोग सोचेंगे कि अगर देश 12 से 14 टीमों (16 टीमों) की मेजबानी कर सकता है तो फिर आईसीसी टीमों की देखभाल क्यों नहीं कर सकता, आखिर ऑस्ट्रेलिया इतना आधुनिक देश है।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिले तवज्जो उन्होंने कहा, 'एक अन्य चीज यह है कि आईसीसी को निजी लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर प्राथमिकता नहीं देनी चाहिए। इससे युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मैचों की जगह निजी लीग में खेलने को बाध्य होंगे।'

वर्ल्ड कप कराना हालांकि आसान नहीं: पाकिस्तान के इस पूर्व कोच ने हालांकि स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के दौरान 16 टीमों की मेजबानी आसान नहीं होगी। इंजमाम ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया कह सकता है इस बड़ी प्रतियोगिता के लिए 18 टीमों की मेजबानी मुश्किल होगी क्योंकि यह आसान नहीं होगा। इसी तरह पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड में होटल में है और वहां सारी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, इसलिए 18 टीमों को रखना आसान नहीं होगा।'

आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए भारतीय चयन नीति खराब, 'प्लान बी' की जरूरत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि भारतीय टीम के पास बमुश्किल असफल होने वाले शीर्ष क्रम के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नमेंटों के लिए वैकल्पिक योजना की कमी है। चाहे वह 2014 में आईसीसी विश्व टी20 हो या 2017 की आईसीसी चौंपियन्स ट्रोफी या इंग्लैंड में 2019 का विश्व कप, प्रत्येक टूर्नामेंट में एक खराब मैच का टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा।

हुसैन ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, 'मैं कहूंगा कि आईसीसी टूर्नामेंटों में परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना नहीं बल्कि

भारत का चयन गलत रहा। यह केवल एक मैच की योजना से जुड़ा हुआ नहीं है।'

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को लगता है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में कप्तान विराट कोहली और उनके साथ उपकप्तान रोहित शर्मा के शानदार प्रदर्शन से मध्यक्रम हमेशा मुश्किल परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए तैयार नहीं रहता। उन्होंने कहा, 'अगर कोहली और शर्मा आउट हो जाते हैं और स्कोर दो विकेट पर 20 रन हो जाता है तो क्या आपका मध्यक्रम इस परिस्थिति के लिए तैयार है। भारतीय क्रिकेट के लिए यह गलत हो सकता है कि उसका टॉप ऑर्डर बहुत अच्छा है। जब कोहली, शर्मा शतक जड़ते हैं और मध्यक्रम के बल्लेबाजों को मौका नहीं मिलता है तो ठीक रहता है।'

हुसैन का मानना है कि जब भारत शुरू में तीन विकेट गंवा देता है तो उसके पास इसका कोई जवाब नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'और अचानक आप का स्कोर तीन विकेट पर 20 रन हो जाता है और आपको (मध्यक्रम) मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड का सामना करना होता है और फिर आप संभल नहीं पाते हो। इसलिए इसके लिये 'प्लान बी' जरूरी होता है। केवल 'प्लान ए' से ही काम नहीं चलता है।'

नासिर हुसैन बोले, विराट कोहली शांत नहीं रह सकते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की तारीफ की है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने एक कप्तान के रूप में कोहली की प्रगति को लेकर अपनी राय रखी है।

नासिर ने कहा, सबसे पहली बात मैं कहना चाहूंगा कि विराट कोहली एक अलग इनसान हैं। महेंद्र सिंह धोनी के बाद कप्तानी संभालने के बाद यह काफी आसान था कि वह यह सोचते कि मुझे धोनी जैसा बनना है। मुझे शांत रहता है, मुझे फिनिशर बनना है, मुझे बर्फ की तरह ठंडा रहना है। विराट कोहली कभी शांत नहीं रह सकते। वह अपनी भावनाओं का खुलकर इजहार करते हैं। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड के बातचीत में नासिर ने कहा, अगर आप विराट कोहली को सुबह फुटबॉल खेलते हुए देखें तो आपको अहसास होगा। मुझे खुद उनकी टीम के खिलाड़ियों के लिए चिंता होती है। वह जीतने को लेकर बहुत जुनूनी हैं। इसलिए अगर आप सीमित ओवरों के क्रिकेट में मुझसे रन–चेज में किसी एक खिलाड़ी के बारे में पूछें तो मैं कोहली का नाम लूंगा चूंकि वह लक्ष्य पर नजर रखते हैं और उनका पूरा ध्यान उस पर ही होता है।

न्यूज डायरी

भारतीय खिलाड़ी मांगते थे माफी! शाहिद अफरीदी के दावों की पोल–खोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं। अपने हालिया बयान में उन्होंने फिर भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बयानबाजी की है। पाकिस्तान के इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा है कि पाकिस्तान की टीम ने भारत को इतनी बार हराया है कि वे मैच के बाद उनसे माफी मांगते थे। शाहिद अफरीदी के इस बयान के बाद सवाल उठता है कि आखिर उनकी बातों में कितना दम है। अफरीदी ने 1996 में पाकिस्तानी टीम में डेब्यू किया। उन्होंने वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ चार मुकाबलों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और हर बार भारत ने जीत हासिल की। इसके अलावा वर्ल्ड टी20 में भी पांचों मुकाबलों में पाकिस्तान को शिकस्त मिली। शाहिद अफरीदी के रहते पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 8 टी20 मुकाबले खेले जिसमें से सात में भारत को जीत मिली। यानी पाकिस्तान ने सिर्फ एक मैच ही जीता है।

सांप के काटे का इलाज है, गलतफहमी का कोई इलाज नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी (ीपक ।तिपकप) की भारतीय टीम पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। अफरीदी ने कहा था, श्उन्हें तो ठीक–ठाक मारा है हमने। इतना मारा है उन्हें कि मैच के बाद माफियां मांगी हैं उन्होंने। लेकिन चोपड़ा आंकड़ों के जरिए अफरीदी के इस दावे की पोल खोलते हैं। चोपड़ा बताते हैं कि अफरीदी के दौर में भारत और पाकिस्तान का वनडे और टेस्ट रेकॉर्ड लगभग बराबर का है और टी20 इंटरनैशनल में तो भारतीय टीम का प्रदर्शन बहुत बेहतर है। अपने यूट्यूब चौनल पर चोपड़ा ने कहा, श्पाकिस्तान की टीम एक दौर में मजबूत हुआ करती थी। यह अब भी ठीक–ठाक टीम है। हां एक वक्त होता था जब भारतीय टीम शारजाह में पाकिस्तान के खिलाफ खेलती थी तो पलड़ा पाकिस्तान का भारी होता था। लेकिन यह अफरीदी के दौर की बात नहीं है।

आईसीसी चेयरमैन पद के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज का समर्थन नहीं मिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) किंगस्टन। भारत के शशांक मनोहर की जगह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन पद की दौड़ में शामिल क्रिकेट वेस्टइंडीज के पूर्व अध्यक्ष डेव कैमरन ने खुलासा किया है कि उन्हें उनके घरेलू बोर्ड का ही समर्थन नहीं मिला है लेकिन हैरानी वाली बात यह है कि इसमें उन्हें फायदा नजर आता है। कैमरन की दावेदारी का समर्थन का अमेरिका ने किया है जिससे वह मनोहर की जगह लेने के दावेदारों में शामिल हो गए। मनोहर ने पिछले महीने के आखिर में दो साल दो–दो कार्यकाल पूरा करने के बाद अपना पद छोड़ दिया था। कैमरन ने 'क्रिकबज' से कहा, 'अभी मुझे घरेलू बोर्ड से कोई समर्थन नहीं मिल रहा है लेकिन यह बुरी बात नहीं है क्योंकि सभी जान रहे हैं कि मैं स्वतंत्र उम्मीदवार हूं और मैं खुद के अजेंडा पर काम करने के बजाय विश्व क्रिकेट की भलाई के बारे में सोच रहा हूं।'

आईसीसी लगातार टाल रहा है वर्ल्ड कप पर फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने इस साल अक्टूबर–नवंबर में प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप पर कोई फैसला नहीं लिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड आईसीसी के इस रवैये से बहुत ज्यादा खुश नहीं है। बोर्ड गवर्निंग बॉडी के इस रवैये से अब उकता गया है। और अब उसने अपनी योजनाओं पर काम करना जारी रखने का फैसला किया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग की तैयारियों की शुरुआत कर रहा है। बोर्ड इस बात को लेकर बेफिक्र है कि आईसीसी वर्ल्ड कप पर क्या फैसला लेता है। बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए तारीख सोच रखी है और वह उसी के हिसाब से तैयारी कर रही है। वह आईसीसी के फैसले का इंतजार नहीं करना चाहता। बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा, इस साल की शुरुआत बहुत खराब ढंग से हुई है और इससे राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।